1 हिंद देश के निवासी

पाठ-प्रवेश

- बच्चो, भारत एक विशाल देश है। यहाँ विभिन्न रंग-रूप, वेश-भाषा वाले लोग रहते हैं, लेकिन इतनी विविधता होने के बाद भी सभी में एकता है।
- आज हम भारत देश की विविधता में एकता से संबंधित एक कविता का पाठ करेंगे।

Scanned with CamScanner

हिंद देश के निवासी सभी जन एक हैं,
रंग-रूप, वेश-भाषा चाहे अनेक हैं।

बेला, गुलाब, जूही, चंपा, चमेली,
प्यारे-प्यारे फूल गुँथे माला में एक हैं।
हिंद देश के निवासी सभी जन एक हैं,
रंग-रूप, वेश-भाषा चाहे अनेक हैं।

कोयल की कूक न्यारी, पपीहे की टेर प्यारी,
गा रही तराना बुलबुल राग मगर एक है।
हिंद देश के निवासी सभी जन एक हैं,
रंग-रूप, वेश-भाषा चाहे अनेक हैं।

गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, कृष्णा, कावेरी,
जाके मिल गईं सागर में, हुईं सब एक हैं।
हिंद देश के निवासी सभी जन एक हैं,
रंग-रूप, वेश-भाषा चाहे अनेक हैं।

—पंडित विनय चंद्र मौद्गल्य

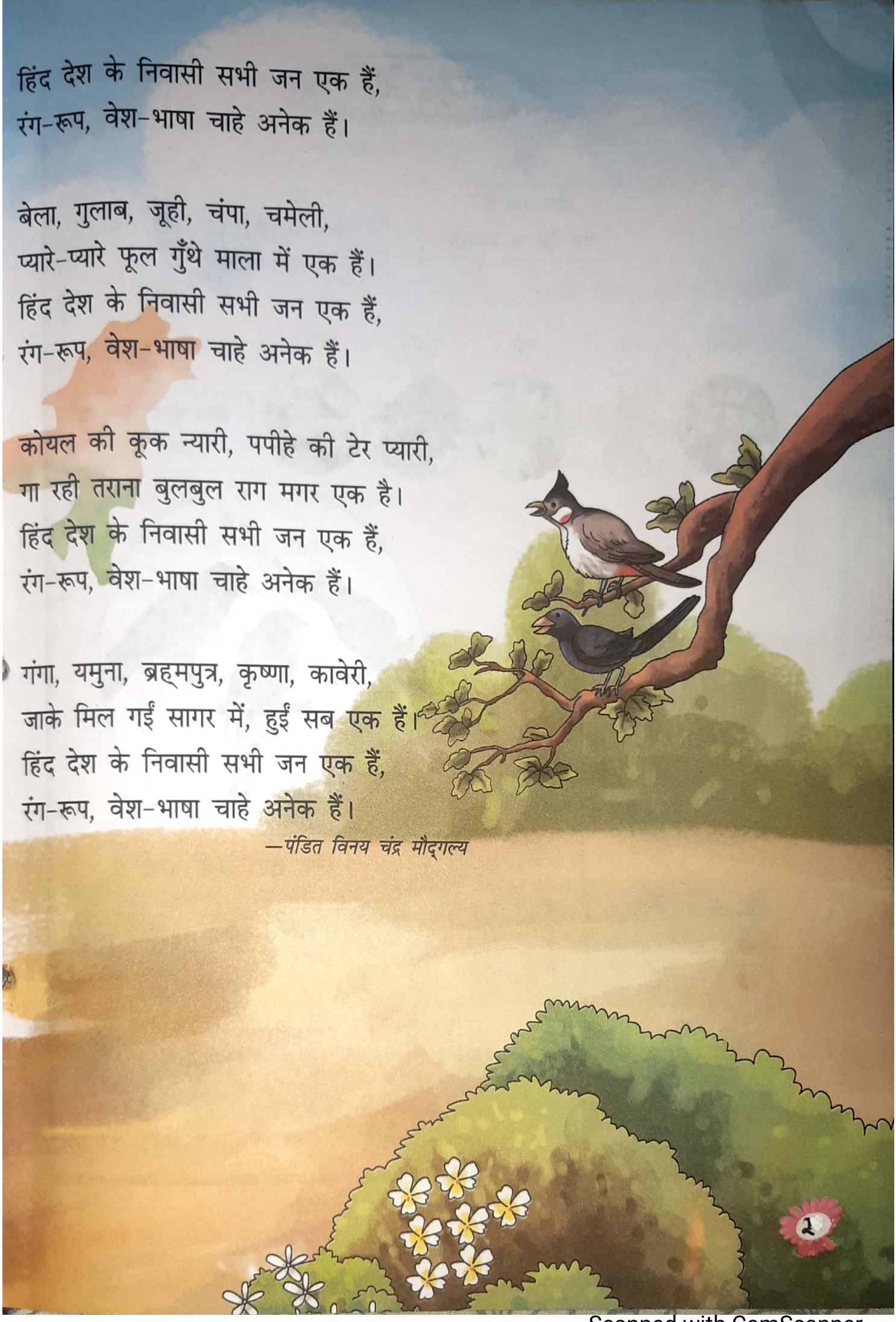

Scanned with CamScanner

बाल भारती पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा

अधिन्यास पत्र – कक्षा- चौथी (४)

विषय – कविता। उपविषय- 'हिंद देश के निवासी'

पाठ-1- कविता- 'हिंद देश के निवासी', कवि: 'श्री विनय चंद्र'

{ केवल पठन एवं वाचन }

उद्देश्य:

- यह कविता देश पर गर्व करना सिखाती है।
- हमें मिलजुल कर एक साथ रहने, देश से प्रेम करने को सीख देती है।

भाव:

- हिंद यानी भारत एक विशाल देश है।
- यहाँ भिन्न भाषाओं को बोलने वाले, भिन्न वेशभूषाओं को पहनने वाले लोग रहते हैं।

- इतनी भिन्नताओं के बाद भी सभी मिलजुलकर वैसे ही रहते हैं जैसे माला में गुँथे फूल, जैसे पंक्षियों की मीठी बोली, जैसे अलग-अलग नदियों का सागर में मिल कर एक हो जाना।

Scanned with CamScanner

सार :

इतनी भिन्नताओं के बाद भी हम सभी भारतीय एक हैं। सभी प्रेम से मिलजुल कर रहते हैं।

अब आपकी बारी :

(i) • कविता को ऊँचे स्वर में बोलते हुए याद कीजिए।

(ii) • मिलान कीजिए : (उत्तर पुस्तिका में करें)

राज्य	भाषा
क) बंगाल	मराठी
ख) राजस्थान	पंजाबी
ग) पंजाब	बांग्ला
घ) गुजरात	राजस्थानी
ङ) महाराष्ट्र	गुजराती

Scanned with CamScanner